

श्रीरामचंद्र महापात्र की प्रार्थना

श्रीरामचंद्र तुमलु लज्जन एरन नव नय दंडुलं
नय संज्ञ लोचन संज्ञ मुज नर संज्ञ पद संज्ञरुपं...

संज्ञं अंगलीन अमीन छली नय नील निरद सुदंरम.

पदपीत मेनरुं गडील इया, सुया. नयमी जगत सुनापयं
द्वीर तीरीर तुंडल गिलउ आरु, उदार अंग विलुखराम...
आमन लूज सर आप धर, संश्राम गुन पर हुसलामं.
अशहीनजंधु दिनेश दानव, दीत्यवंश निरंदनम...

रथुगदं अमानंदं हं श्रीराल. अंदं दरशय नंदनम...
एत पदमि गूलरनीदास शंर... शेष. मुनी. मग रंभनम...
मम ~~अ~~ लुख संज्ञ निवास तुइ. ममादी जल दल गंभनम...

जल गलरायें मेग अजमोल (८२)

हे मानव तुं भूषसे जाले - श्रीकां शरयां गरखामी...
श्रीकां शरयां गरखामी... गोपाल शरयां गरखामी...
वासुदेव शरयां गरखामी. गोविंद शरयां गरखामी.
शैब शरयां गरखामी... हे मानव तुं भूषसे जाले... (श्रीकां)
जल गलरायें. मेग अजमोल... (८२) नय मानव तुं भूषसे जाले...
श्रीकां शरयां गरखामी. मरुपीर शरयां गरखामी...
गोपम शरयां गरखामी... बुध्दं शरयां गरखामी...
नमं मंन शरयां गरखामी. दमं मंन शरयां गरखामी.
श्रियं शरयां गरखामी. शैब शरयां गरखामी...
माधव शरयां गरखामी. श्रीय शरयां गरखामी.
गंगे शरयां गरखामी. यमुने शरयां गरखामी.
गोदावरी शरयां गरखामी. खैरस्वति शरयां गरखामी.
राधे शरयां गरखामी. सीते शरयां गरखामी.
जोषी शरयां गरखामी. गोपाल शरयां गरखामी.